आइआइटी में इंडस्ट्री एकेडमिया कॉन्क्लेव

स्टूडेंट्स को वर्तमान और भविष्य के मार्केट ट्रेंड्स के हिसाब से मिले ट्रेनिंग

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर में इंडस्ट्री एकेडमिया कॉन्क्लेव हुआ। द सेंटर ऑफ इंडस्ट्री रिलेशन (सीआइआर) के इस इवेंट की थीम एकेडमिक रिसर्च की पूरी क्षमताओं को अनलॉक करना थी। बुधवार को तकनीकी ज्ञान के साथ कॉरपोरेट अपेक्षाएं व जरूरतों पर पैनल डिस्कशन हुआ।

आइआइटी डायरेक्टर प्रो. प्रदीप माथुर ने बताया, इवेंट का उद्देश्य गहन औद्योगिक-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना है। विश्व की प्रमुख कंपनीज के साथ हमारे गहरे संबंधों को भी दर्शाता है। साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि हमारे स्टूडेंट्स वर्तमान और भविष्य के मार्केट ट्रेंड्स के लिए प्रेक्टिकल ट्रेनिंग हासिल कर सकें।

विविडस्पार्क्स आइटी सॉल्यूशंस के प्रेसीडेंट व सीइओ डॉ. विजय होलिमथ ने प्रोसेसर्स के लिए आधुनिक कम्प्यूटर अंकगणित के बारे में बताया। उन्होंने आधुनिक कम्प्यूटिंग सिस्टम के लिए फ्लोटिंग पॉइंट आइपी कोर को अपनाने की

आवश्यकता पर बल दिया। वीइसीवी लिमिटेड के सीनियर मैनेजर श्याम जांबरे ने कमर्शियल वाहनों की इंजीनियरिंग डिजाइन की जानकारी दी। उन्होंने बताया, किस तरह कंपनी की प्रत्येक बिजनेस यूनिट्स अच्छे से स्थापित है और एक विशाल कस्टमर बेस मौजूद है। हूवेई के टेक्नोलॉजी स्ट्रेटेजी हेड राज स्टेनले ने बताया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, बिग डाटा जैसे अत्याधुनिक विषयों के लिए फंडिंग की संभावनाएं मुहैया कराता है। उन्होंने आइआइटी के प्रस्ताव पर फंडिंग के तरीके समझाए।

वेस्ट मैनेजमेंट पर काम करें स्टूडेंट्स

एनएफआइएल प्रोसेस केमेस्ट्री हेड डॉ. निशिकांत गाडगे ने रोजमर्रा के उत्पादों में फ्लोरोकेमिकल्स के इस्तेमाल व हमारे जीवन में इसकी महत्ता के बारे में बताया। वैकक्रॉस के रीजनल मैनेजर ने वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट और टिकाऊ आधारभूत संरचना के बारे में बताया। झील, तालाब जैसे स्थानों में वेस्ट वॉटर डिस्पोजल के क्रियान्वयन संबंधी उदाहरण भी दिए। उन्होंने इन विषयों से जुड़े सॉल्यूशंस पर स्टूडेंट्स को काम करने के लिए प्रेरित किया। यश टेक्नोलॉजी के एजीएम शैलेंद्र गुप्ता ने क्लाउड सर्विसेज व डाटा एनालिटिक्स के बारे में जानकारी दीं।

Patrika (Indore), 22nd November 2018, Patrika Plus, Page-15